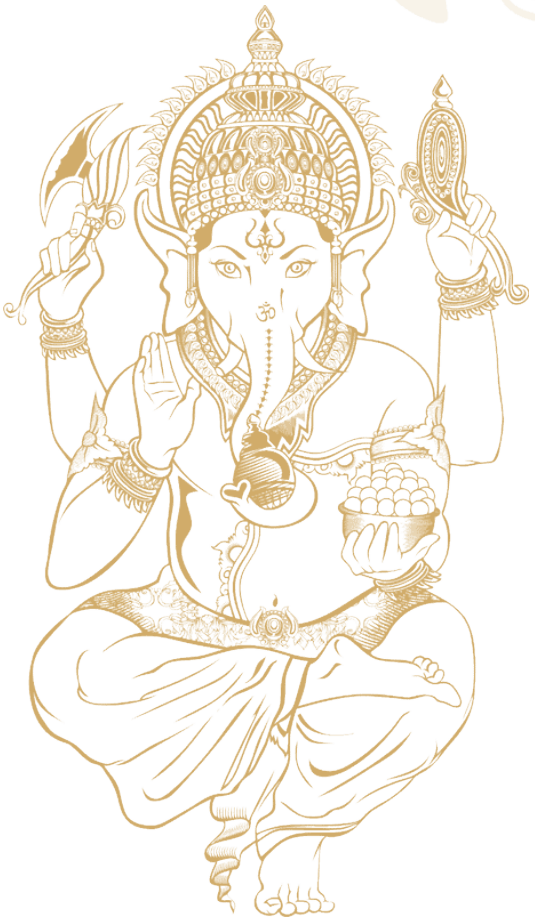

Utkarsh

Ritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121320505

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/06/2001	जन्म तिथि	31/08/2003
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 08:05:00	जन्म समय	11:20:00 घंटे
घटी 05:57:16	जन्म समय(घटी)	12:58:53 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Dewas
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:59:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	76:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:05	सूर्योदय	06:07:37
19:13:20	सूर्यास्त	18:44:28
23:52:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 3मा 23दि	04:58:49	कर्क	लग्न	तुला	23:37:45	मंगल 3वर्ष 5मा 25दि
राहु	04:01:01	मिथु	सूर्य	सिंह	13:31:37	गुरु
12/10/2021	02:37:57	वृष	चंद्र	तुला	00:01:37	24/02/2025
13/10/2039	27:08:43	वृश्चि व	मंगल व	कुंभ	10:27:08	24/02/2041
राहु 24/06/2024	00:10:23	मिथु व	बुध व	कन्या	02:03:59	गुरु 14/04/2027
गुरु 18/11/2026	00:41:53	मिथु	गुरु	सिंह	06:56:01	शनि 25/10/2029
शनि 24/09/2029	18:37:30	मेष	शुक्र	सिंह	16:57:06	बुध 31/01/2032
बुध 12/04/2032	13:37:47	वृष	शनि	मिथु	16:38:34	केतु 06/01/2033
केतु 01/05/2033	12:30:04	मिथु व	राहु व	मेष	29:34:09	शुक्र 07/09/2035
शुक्र 30/04/2036	12:30:04	धनु व	केतु व	तुला	29:34:09	सूर्य 25/06/2036
सूर्य 25/03/2037	00:47:56	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	06:39:48	चन्द्र 25/10/2037
चन्द्र 24/09/2038	14:30:53	मक व	नेप व	मक	17:11:20	मंगल 01/10/2038
मंगल 13/10/2039	19:39:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:19:55	राहु 24/02/2041

लग्न-चलित

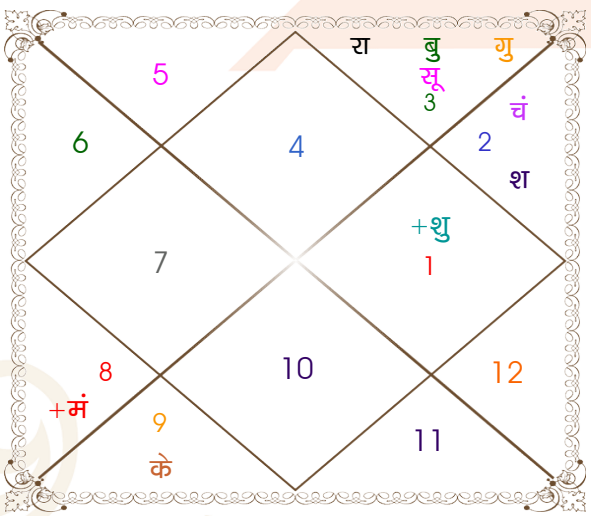

लग्न-चलित

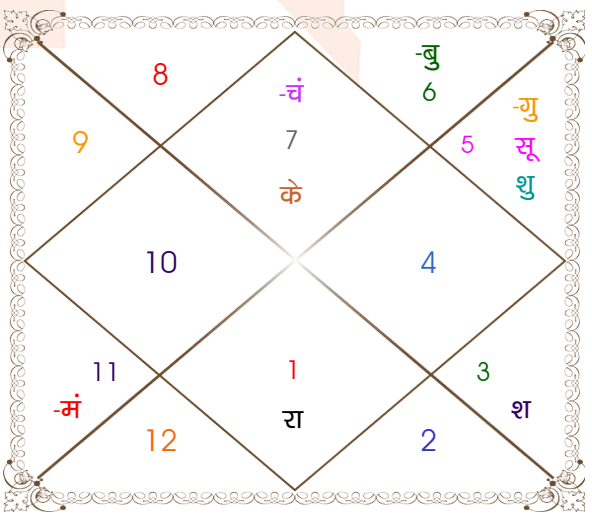

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

न्जांती का वर्ग गरूड़ है तथा त्पजपां का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार न्जांती और त्पजपां का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

न्जांती मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्पजपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

न्जांती तथा त्पजपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।